



बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर



डा. मौहित गुप्ता

M.Ch.
Neurosurgery
(AIIMS)
Senior
Consultant
Neurosurgeon

**मस्तिष्क एवं
रीढ़ रोग विशेषज्ञ**
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें

- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमोरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व भिर्गी के दौरे का इलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, रियाटिका, रिलम डिस्क का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाईनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा इलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व आपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

**बरेली न्यूरो एण्ड
स्पाईन सुपर
स्पेशलिटी सेंटर**
सी-427, डिवाइन अस्पताल
के सामने, के.के. अस्पताल
रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली

समय : प्रातः 10 12 बजे तक
एवं साथ 6 से 8 बजे तक

**लकवा के
मरीजों के लिए**
24 घंटे इमरजेंसी
हैल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601



तस्यो हि पर दिल
न किरेया
लैना की तस्यो हाथ
फेर के

बाबा बुलेश्वर कहते हैं, तुम तरबीह यानी माला के इर्द-गिर्द गए, लेकिन अपने दिल में कभी नहीं गए। जपने वाली तस्यों को हाथ में रखकर फिर तुम्हें वया हासिल हुआ।

बाबा साहब आंबेडकर और आर्य आक्रमण का झूट

संप्रति राष्ट्र डॉ. आंबेडकर का परिनिवारण दिवस मना रहा है। उनके विचार और दर्शन पर तमाम आयोजन हो रहे हैं। डॉ. बीआर आंबेडकर वास्तव में भारत रत्न है। प्रछायात् मनीषी, संविधान सर्जक व ऋद्धेय राष्ट्रनिर्माता। वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे और अजर-अमर थे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया। उनके विचार आधुनिक राजनीति को भी तातार अधिकार प्रभावित कर रहे हैं। वे अपने जीवनकाल से ज्ञाना अधुनिक काल में भी प्रधारी हैं। तर्मान जैसे विद्यमान श्रीमान हैं। प्रेरक राष्ट्रवादी हैं। डॉ. आंबेडकर अपने समकालीन विद्वानों, जगनेताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे। राष्ट्रनिष्ठ और बहुपुरित थे।

वे भारतीय समाज संरचना के तर्कनिष्ठ आलोचक थे। उन्होंने ऋब्रद सहित संपूर्ण प्राचीन भारतीय वांगाय पढ़ा। उपनिषद् पूरा और स्मृति प्रथं भी उनके ग्रिय विषय रहे। उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया। शूद्रों को अलग नस्ल बताने वाली नेतागिरी का प्रतिकार किया। मार्कर्वावद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतर से दिलतों के लिए अनुपयोगी बताया। उन्होंने बुद्धचर्चित 'आर्य आक्रमण के सिद्धान्त' का प्रतिकार किया।

राजनीति ने 'जाति और शूद्र' को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बताया है। ब्रिटिश विद्वान व जीतावादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विद्येशी हमलाबाद और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'यह धरण गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता। पहली बात तो यह कि आर्य भारत में बहार से आए थे और उन्होंने यहां के मूल निवासियों पर आक्रमण किया, इसके बाहर की तरह अपनी समर्थन के लिए कोई भी प्रमाण नहीं है। भारत ही आर्यों का मूल निवास स्थान था, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण-समाचार की तरह अस्तित्व का एक प्रमाण है।' डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'यह धरण गलत है कि आर्य भारत में जाने जाते थे और वे आर्यों से नस्ल के विचार से भिन्न थे। 4. आर्य श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 5. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त किया। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए गए और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्विद्य का निर्माण किया।

धर्म शब्द के हैं व्यापक अर्थ

पाणिनि कृत संस्कृत व्याकरण के अनुसार धू धू धारणा धातु में मन् प्रत्यय के योग से धर्म शब्द की सिद्धि होती है, जिसका अर्थ है संपालना, संरक्षित करना, स्थिर बनाए रखना आदि। धारयति इति धर्मः जो धरण करे वही धर्म है। धर्म शब्द भारतीय व्यंतन का अर्यात् गहन और बहुआयामी तत्त्व है। यह केवल किसी विशेष पूजा-पद्धति, संप्रदाय या पंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानव जीवन, समाज और विश्व-व्यवस्था को धारण करने वाला मूल तत्त्व है। इस प्रकार धर्म वह शक्ति है जो जीवन, समाज और सृष्टि के अनुसार जो कार्य करते हैं।

जीवन, समाज, राष्ट्र, विश्व के कल्पणा के लिए आचरणीय धारणीय कर्म भाव ही धर्म है। इस दृष्टि से धर्म किंतु विशेष अनुष्ठान, पूजापाठ पद्धति का नाम नहीं बल्कि वह सिद्धांत है, जो व्यक्ति एं समाज में व्यवस्था और स्थिर प्रदान करे और परस्पर मानवों में मैति, करुणा, दया, प्रेम, सत्य, अहिंसा, क्षमा, न्याय, संयम, सहानुभूति आदि जो समाज को स्थिर रखते हैं। जिस प्रकार अग्नि का ताप, जल की शोतुलाता, वृक्ष का फल दाना-यह सब उनका स्वाधारिक धर्म है, उसी प्रकार सत्य, करुणा, अहिंसा, न्याय, प्रेम, सदाचारण और कर्तव्य पालन विचार और व्यवहार धर्म है। इन गुणों से हीन व्यक्ति मंदिर, मस्जिद, गुद्घारे, चर्च आदि में जाकर या किसी पूजा अनुष्ठान-दीक्षा एवं प्रतिवेदन का अन्तरित करते हुए स्वयं को धारण करते हैं। यह प्रतिवेदन का अन्तरित करते हुए स्वयं को धारण करते हैं।

राहुल गांधी ने यह पंपरा में पक्कारों से बात करते हुए कहा कि भारत में लोभ समय से यह पंपरा रही है कि जब भी कोई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री भारत आते हैं, तो वे विपक्ष के नेता से भी मिलते हैं। उन्होंने कहा कि यह परंपरा अटल बिहारी जायेंगी और मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में भी कायम थी। राहुल का साधी आरोप है कि वह किंतु जीवन के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण के लिए अनुपम दर्शक की भावना करते हैं।

जीवन की साधी आरोपित धरण

वर्नई। आरबीआई के रेपो दर में की कटौती के बाद इंडियन बैंक ने अपनी रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर को 8.2 से घटाकर 7.95 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ने कहा कि संसोधित उधारी दरें छह दिसंबर से प्रभावी हैं। रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर (आरबीएलआर) में 0.25 प्रतिशत की कमी से ग्राहकों के लिए कर्ज सरता होगा। आवास ऋण और व्यवसाय ऋण जैसे आरबीएलआर से जुड़े कर्ज लेने वाले ग्राहकों को लाभ होगा।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन: तुलसी 2550, राजा श्री 1800, पॉर्टफून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किंग्रा 1975, जय जवान 1990, सरिन 2020, सूरज 1990, अंतरर 1875, उत्तरा 1910, गुरु 13 विष्णा 1870, रालसिक (किंग्रा) 2155, मोर 2018, वर्क टिन 2315, लू 2100, आरीवर्म मर्टर्ड 2330, स्टार्टिक 2505

किराना: हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, बनिया 9000-11000, अंजवान 13500-20000, गेंदी 6000-8000 सॉफ 9000-13000, सॉट 31000, (प्रतिक.) लौग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखना 800-1100

चावल (प्रति कु.): डबल चावी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्की स्टीम 5200, मसूरी 4000, महूब सेला 4050, गौरी रेशम 7400, रजमा 6850, हरी पीस (1-5 किंग्रा) 10100, हरी पीस नेवरु 9100, जेनिस 10100, गलेवरी 7400, सुमो 4000, गोलेन सेला 7900, मसूरी प्रानष्ट 4350, लाली 4000 दाल दलहन-मूँग दाल इंदौर 9800, मूँग धोवा 10000, रजमा चिंगा 12000-13400, रोमा भूटान नया 10100, मलका काली 7500-7450 मलका दाल 7550-8000, मलका छींटी 7550, दाल उड़ बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़ दिल्ली 10300, उड़ सातुर दिल्ली 9900, उड़ धान इंदौर 11800, उड़ धान 9800-10400, धान मीठी 7050, मलका विदेशी 7300 स्पॉकिशर बैसन 8000, चन अंकोला 6800, डरा 6900-8800, सचा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पट्टा मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पट्टा छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000 चीनी : पीलीपीत 4360, बहेंी 4320

वार्नर ब्रदर्स के अधिग्रहण से एमएआई वित्तित

नई दिल्ली। मल्टीलेवेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएआई) ने शनिवार को नेटवर्कवाले बाजार ब्रदर्स डिस्कंपनी के प्रस्तुति अधिग्रहण पर अपनी विचार जारी करा दिया। एचआर एचआर के लिए प्रतिशत की अधिक नौकरियां और कहा कि यह भारत के सिनेमारों और फिल्म उत्तरांश के लिए प्रतिशत और अधिक खरात देना चाहिए। एमएआई ने कहा कि वार्नर ब्रदर्स के ऐसे उत्तरांशिंग में द्वारा खारिज करने को मन्तव्य नहीं देता, भारत के लिए खरात है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस समय संभवित और असंभवित दोनों क्षेत्रों को मिलाकर 8.5 करोड़ से अधिक लोग ईपीसी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इनमें से 70-80 लाख पेशेवर देश की विकास की दक्षता बढ़ायी और आपूर्ति वृद्धि की जरूरत है। ईपीसी क्षेत्र देश के अग्रणी रोजगार सुनिकांओं में एक है और 2020 के बाद से भर्ती मांग में 51 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस समय संभवित और असंभवित दोनों क्षेत्रों को मिलाकर 8.5 करोड़ से अधिक लोग ईपीसी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इनमें से 70-80 लाख पेशेवर देश की विकास की दक्षता बढ़ायी और आपूर्ति वृद्धि की जरूरत है। ईपीसी क्षेत्र से 2030 तक 2.5 करोड़ से अधिक लोग ईपीसी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इनमें से 70-80 लाख पेशेवर देश की विकास की दक्षता बढ़ायी और आपूर्ति वृद्धि की जरूरत है। ईपीसी क्षेत्र के अग्रणी रोजगार सुनिकांओं में 51 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

वार्नर ब्रदर्स के अधिग्रहण से एमएआई वित्तित नई दिल्ली। मल्टीलेवेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएआई) ने शनिवार को नेटवर्कवाले बाजार ब्रदर्स डिस्कंपनी के प्रस्तुति अधिग्रहण पर अपनी विचार जारी करा दिया। एचआर एचआर के लिए प्रतिशत की अधिक नौकरियां और कहा कि यह भारत के सिनेमारों और फिल्म उत्तरांश के लिए प्रतिशत और अधिक खरात देना चाहिए। एमएआई ने कहा कि वार्नर ब्रदर्स के ऐसे उत्तरांशिंग में द्वारा खारिज करने को मन्तव्य नहीं देता, भारत के लिए खरात है। एमएआई ने कहा कि वार्नर ब्रदर्स के नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है। एमएआई ने कहा कि वार्नर ब्रदर्स के नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की दफ्तर देश के लिए खरात है।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेथा

वर्ल्ड ब्रीफ

गाजा चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय निकाय की घोषणा इसी महीने होती है। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम समझौते के अंगत वर्ष के अंत में एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय की घोषणा होने की संभावना है। एक अब अधिकारी और पश्चिमी राजनीतिक के मुताबिक समझौते के अनुसार, शांति बोर्ड के नाम से जाना जाने वाला ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डिनार्ड ट्रॉप की अधिकता वाला एक विवाह दो साल के संयुक्त राष्ट्र अधिदेश के तहत गाजा के प्राप्तिमंगल की देखरेख करेगा। अब अधिकारी और पश्चिमी राजनीतिक ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि इस निकाय में परिवर्मण और पश्चिमी देशों के लाभगत एक दर्जन अन्य नेता भी शामिल होंगे।

दक्षिण अफ्रीका

गोलीबारी, 11 की मौत
जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की राजनीती प्रटीरिया के शहर एटरियाल के सॉल्फिल हॉस्टल में गोलीबारी की घटना में तीन नाबालियों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। यह हमला शनिवार युक्त हॉस्टल के अंदर चल रहे एक गैरकानूनी शराबखोने में हुआ। पुलिस के मुताबिक 25 लोगों को गोली मारी गई, जिसमें दोहरे लोग घायल हो गए और 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक तीन साल का लड़का, एक 12 साल का लड़का, एक 16 साल की लड़की और अन्य वायरक साल तथा इस हत्याकांडे ने देश के शहीदी हॉस्टल में दबदी अराजकता से जुड़ी चिंहों को एक बार फिर ढाया दी है। हालिया घटनाओं का पैरेंट बताता है कि हॉस्टल ऐसा दिक्कान बन गए हैं जहां आपराधिक गिरोह बरोकटोक काम करते हैं।

इटली की 100 जोएसएसएम मिसाइलें बेचेगी अमेरिका
वाशिंगटन। अमेरिका ने आकाश से अपराधिक पार मार करने वाली ज्वाइंट एयर-ट्रॉपस एसएसएसएम मिसाइलों और उत्तर संबंधित उत्करणों को इटली को बेचने पर सहमति जताई है। इस रोटे की अनुमति लागत 30 करोड़ 10 लाख अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका की डिक्सिप्रियारी को अपराधन एजेंसी (डीएससीए) ने एक बाबान में कहा, रेटर्ड डिक्टर्मेंट ने इटली सरकार को वितारित रेज वाली जोएसएसएसएम मिसाइलें और संबंधित उत्करणों को इटली को बेचने पर सहमति जताई है। इस रोटे की अनुमति लागत 30 करोड़ 10 लाख अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका के बीच स्पॉष्यो व्यापार समझौते पर जारी बातों को जटिल बना सकती है।



सीनियर हॉकी विश्व कप के लिए कई पहलुओं पर विचार करना होगा। हम अभी टीमों की संख्या बढ़ाने के लिए तयार नहीं हैं, तब्दीकी शीर्ष देशों से भी प्रोतोग में खेल रहे हैं।
—तैयब इकबाल,
अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष

हाईलाइट

मंधाना सोशल मीडिया मंच पर फिर सक्रिय
नई दिल्ली : भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान मृति मंधाना अपनी शादी टलने के लगभग दो हफ्ते बाद करियर और क्रिकेट सफर पर फोकस करते हुए सोशल मीडिया

मंधाना ने सोशल मीडिया में इंस्ट्रामैंट पर से क्रिया हो गई है। सिंगर-कंपोजर पारेश मुख्य के साथ उनकी शादी 23 नवंबर को होने वाली थी। उनके पिता की अंचनक तबीयत खत्म होने के कारण इसे टाल दिया गया है। मंधाना ने सोशल मीडिया में इंस्ट्रामैंट पर एक पेड पार्टनरशिप टीडिया साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने क्रिकेट सफर और करियर के बारे में बात की। शादी कैंसिल होने के बाद यह उनकी पहली पब्लिक अपीरेंस है। फैस ने तुरंत कमेंट्स में सोपों और खुशी के मैसेज भेजे।

प्रो क्रुश्ती लीग 15 जनवरी से होगी

नई दिल्ली : प्रो क्रुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) अगले साल 15 जनवरी से शुरू होगी और एक फरवरी तक चलेगी। इनके सभी मैच नोएडा इंडिया स्टेडियम में होंगे। भारतीय क्रुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शनिवार को यह घोषणा की। आयोजकों ने पहले घोषणा की थी कि लीग के लिए दिल्ली एकमात्र स्थल होगा। इस लीग को कोविड-19 महामारी के कारण चार सदी के बाद निलंबित कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह के अनुसार 20 से अधिक दोस्रों के 300 से अधिक पहलवानों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। इन खिलाड़ियों में ऑलिंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट और भारत के शीर्ष पहलवान शामिल हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छठी टीमों में चार महिला पहलवानों सहित नौ पहलवान शामिल होंगे।



यशस्वी जयसवाल।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका से हिसाब किया बराबर

वनडे सीरीज 2-1 से जीती, कुलदीप, कृष्णा व शतकवीर यशस्वी चमके

विश्वाखापत्नन, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका
270/10 (47.5 ओवर)

- विंटन डिकॉक बो कृष्णा 106
- रिकल्टन का राहुल बो अंशदीप 00
- तेवा बावुमा का कोहली बो जडेजा 48
- मेयू ब्रीटजके पांगाधा कृष्णा 24
- मार्कर का कोहली बो कृष्णा 01
- ब्रेविस का रोहित बो कुलदीप 29
- यानसेन का जडेजा बो कुलदीप 17
- कूलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (0.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए

जिससे विंटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गई। भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट शृंखला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हट तक कम किया। दोनों टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी 20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला में भिड़ीं।

जयसवाल ने अपनी नावाद शतकीय पारी के दौरान 121 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाने के अलावा रोहित शर्मा (75) के साथ पहले विकेट के लिए 155 और विंटन कोहली (नावाद 65) के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पक्की की। रोहित ने 73 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के जड़े जिसमें लुंगी-एनगाडी के खिलाफ पुल शॉट पर लगाया छक्का दिलकश था।

कोहली ने भी शानदार लय जारी रखते हुए 45 गेंद की नावाद पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़े। दक्षिण अफ्रीका के लिए एकमात्र

गेंदबाजी : अर्थरीप 8-1-36-1, हाईंटिंग 8-2-44-0, कृष्णा 9.5-0-66-4, जडेजा 9-0-50-1, कुलदीप 10-1-41-4, टिलक 3-0-29-0

भारत

271/1 (39.5 ओवर)

- यशस्वी जयसवाल नावाद 116
- रोहित का ब्रीटजके बो महाराज 75
- विराट कोहली नावाद 65

गेंदबाजी : यानसेन 8-1-39-0, एनगाडी 6.5-0-56-0, महाराज 10-0-44-1, वार्टेम 7-0-60-0, बोश 6-0-53-0, मारक्रम 2-0-17-0

रोहित शर्मा के 20,000 रन पूरे

रोहित ने 14 ओवर में महाराज के खिलाफ एक रन तुरा 27 रन के रुक्के पर पहुंचते ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (तीनों प्रारूपों को मिला) में 20,000 रन पूरे किए। वह महान सचिन राहुल (34357), विराट कोहली (27910) और राहुल द्रविड़ (24208) के बाद ऐसा करने वाले केवल चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं।

(24) के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका 28वें ओवर तक दो विकेट पर 167 रन बनाकर बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रहा था लेकिन कृष्णा ने 29वें ओवर में ब्रीटजके और एडेन मारक्रम (एक) के रूप में दो विकेट लेकर भारत को वापसी करने के बाद डिकॉक को भी चलता किया। इसके बाद कुलदीप ने डेवाल्ड ब्रेविस (29), मार्को यानसेन (17) और कोर्बिन बोश (नो) जैसे आकामक बल्लेबाजों को आउट कर क्षेत्र पर भारत का दबदबा बनाये रखा। लक्ष्य का बचाव करते हुए दूर्दिया रोशनी में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज नवीं गेंद से खिंग हासिल कर रहे थे जिससे रोहित और जयसवाल ने शुरूआत में सतरका बरती। रोहित ने चौथे ओवर में एनगाडी के खिलाफ पारी का पहला चौका जड़ा तो वहीं जयसवाल ने यानसेन की गेंद पर चार दूसरे विकेट के लिए 113 और मेयू ब्रीटजके दूसरे विकेट के लिए 113 और मेयू ब्रीटजके

जर्मनी के खिलाफ गलतियों से बचना होगा भारत को

चेन्नई, एजेंसी

अभी काम पूरा नहीं हुआ है : कोच श्रीजेश

चेन्नई : खिलाफ से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य क्षेत्री और श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गेंद गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे वर्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलिंपिक पदक विजेता रहे काह शूटआउट के लिए चौके और दो विकेट लेकर भारत को वापसी करने के बाद डिकॉक को भी चलता किया। इसके बाद कुलदीप ने डेवाल्ड ब्रेविस (29), मार्को यानसेन (17) और कोर्बिन बोश (नो) जैसे आकामक बल्लेबाजों को आउट कर क्षेत्र पर भारत का दबदबा बनाये रखा। लक्ष्य का बचाव करते हुए दूर्दिया रोशनी में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज नवीं गेंद से खिंग हासिल कर रहे थे जिससे रोहित और जयसवाल ने शुरूआत में सतरका बरती। रोहित ने चौथे ओवर में एनगाडी के खिलाफ पारी का पहला चौका जड़ा तो वहीं जयसवाल ने यानसेन की गेंद पर चार दूसरे विकेट के लिए 113 और मेयू ब्रीटजके

• सात बार के चैम्पियन के खिलाफ मुकाबला आज



दर्जन भर पेनल्टी कॉर्नर में से एक पर भी गेंद नहीं हो सका था। दूसरी ओवर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कास्ट्री पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गेंद नहीं हो सका था। दूसरी ओवर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कास्ट्री पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गेंद नहीं हो सका था। दूसरी ओवर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कास्ट्री पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गेंद नहीं हो सका था। दूसरी ओवर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कास्ट्री पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गेंद नहीं हो सका था। दूसरी ओवर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कास्ट्री पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गेंद नहीं हो सका था। दूसरी ओवर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कास्ट्री पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गेंद नहीं हो सका था। दूसरी ओवर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कास्ट्री पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गेंद नहीं हो सका था। दूसरी ओवर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कास